क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 346, बुधवार, 16 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंडी पड़ चुकी यूपी की राजनीति में मायावती फिर फूक रहीं हैं जान

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

पिछले कई सालों से भले ही दलित राजनीति में नए विकल्प देश के अलग-अलग कोने में उभरें हों लेकिन बीएसपी सुप्रीमो मायावती की जगह कोई नहीं ले पाया है। दलित राजनीति के नए चेहरे भी मायावती से सीधे टकराने से कतराते हैं फिर चाहे चंद्रशेखर आजाद हों या फिर जिग्नेश मेवानी। आज मायावती का जन्मदिन है। आज की तारीख में भले ही मायावती करारी हार का सामना करके विपक्ष में बैठी हों लेकिन राजनीतिक गलियारों में उनकी चर्चा के बगैर हर कहानी अधूरी ही रहती है। पिछले कुछ दिनों से आगामी चुनावों में सपा के साथ गठबंधन की बयार के साथ मायावती एक बार फिर चर्चा में हैं। मायावती 15 जनवरी 1956 को एक हिंदू दलित परिवार में पैदा हुई थीं। पिता प्रभु दास और माता रामरति देवी की 8 संतानों में से एक मायावती राजनीति में प्रवेश करने से पहले बीए, बीएड और लॉ की डिग्री के साथ दिल्ली में एक स्कूल में टीचिंग करती थीं। ुरुआती दिनों में कांशीराम ने इन्हें मेंटर के तौर पर सरंक्षण दिया लेकिन बाद में बसपा की कमान पूरी तौर पर सौंप दी। मायावती भारतीय राजनीति में महिलाओं की स्थिति में एक अपवाद के तौर पर हैं। कई बार उनके प्रधानमंत्री बनने के सपने को उपहास के तौर पर देखा जाता है लेकिन सच ये हैं कि शायद मजाक उड़ाने वालों के लिए इससे ज्यादा खौफनाक कुछ नहीं होगा कि दलितों की राजनीति करने वाली मायावती पीएम पद पर बैठ जाएं और यहीं खौफ मायावती की असली ताकत है। जीत के लिए समर्थन से ज्यादा जोड़-तोड़ का भी साथ लेती रही हैं और इस क्रम में इस बार बरसों की कड़वाहट और दुश्मनी को भुलाकर मायावती समाजवादी पार्टी के साथ 2019 का चुनाव उत्तर प्रदेश में लड़ने वाली हैं। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाजवादी पार्टी की दुश्मनी को डिफाइन करने वाला एकलौता कांड है गेस्टहाउस कांड जिसमें 1975 में मायावती के समर्थन वापसी के बाद जब मुलायम सरकार संकट में आ गई तो सत्ता में काबिज रहने के लिए जोड़तोड़ की राजनीति शुरू हुई। नाराज सपा कार्यकर्ता और विधायकों ने लखनऊ के मीराबाई मार्ग स्थित स्टेट गेस्टहाउस पहुंच गए, जहां मायावती ठहरी हुईं थीं। कहा जाता है कि उस दिन गेस्ट हाउस के कमरे में बंद बसपा सुप्रीमो के साथ कुछ गुंडों ने बदसलूकी की। बसपा का कहना है कि सपा के लोगों ने उस वक्त मायावती के साथ धक्का मुक्की की और फिर मुकदमा भी लिखवाया गया जिसमें कहा गया कि वो लोग उन्हें जान से मारना चाहते थे। इसी कांड को गेस्टहाउस कांड कहा जाता है। मायावती ने निजी जीवन में भी बिना शादी के और परिवार की ना इच्छा रखते हुए राजनीतिक जीवन को ही सबकुछ समर्पित कर दिया। भारतीय रुढ़िवादी समाज में इस फैसले को किसी तरह भी देखा जा सकता है लेकिन सच ये है कि इस फैसले को लेने के लिए ताकत, हिम्मत और निडरता बहुत जरुरी है। उनके जीवन में विकल्प और भी हो सकते थे लेकिन राजनीतिक अकांक्षाएं सब पर भारी पड़ीं।

बहरहाल मायावती ने उस काली रात को भुलाकर मुलायम के पुत्र और पूर्व यूपी सीएम के साथ हाथ मिला लिया हैं और साथ चुनाव लड़ने जा रही हैं। सुगबुगाहट ये भी है कि मायावती को पीएम पद का उम्मदीवार घोषित किया जा सकता है। फिलहाल ये दूर की कौड़ी है और खबर में कितनी सच्चाई है इसके लिए वक्त का इंतेजार करना होगा। लेकिन एक बात तो साफ है।

एयरसेल-मैक्सिस मामला: चिदंबरम को मिली अदालत से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आईएनएक्स मीडिया मामले में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी चिदंबरम की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक 24 जनवरी तक बढ़ा दी। यह आदेश ईडी और सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में अग्रिम जमानत संबंधी चिदंबरम की याचिका पर आया है। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता के मंगलवार को दलीलें देने में असमर्थता जताने के बाद न्यायमूर्ति सुनील गौर ने इस मामले में सुनवाई के लिए 24 जनवरी की तारीख तय की। सुनवाई में चिदंबरम की ओर से अधिवक्ता प्रमोद कुमार दुबे और अर्शदीप सिंह पेश हुए। उच्च न्यायालय ने 25 जुलाई 2018 को आईएनएक्स मीडिया धनशोधन मामले में चिदंबरम की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक अगस्त तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। इससे पहले, पिछले वर्ष 31 मई को अदालत ने सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में गिरफ्तारी से छूट दी थी। अदालत ने इन दोनों मामलों में एक अगस्त 2018 को गिरफ्तारी से छूट पहले 28 सितंबर और फिर 25 अक्टूबर तक बढाई थी। 25 अक्टूबर को अंतरिम राहत 29 नवंबर 2018 तक बढा दी गई थी। इसके बाद अदालत ने राहत 15 जनवरी तक बढाई थी। विभिन्न जांच एजेंसियां 3500 करोड़ रुपए के एयरसेल-मैक्सिस सौदे तथा 305 करोड़ रुपए के आईएनएक्स मीडिया मामले के संबंध में चिदंबरम की भूमिका की जांच कर रही हैं। संप्रग 1 सरकार में केन्द्रीय वित्त मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान दो कंपनियों को विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड से मंजूरी मिली थी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस में शामिल होंगी दो और महिला पुलिस बटालियन, मिली मंजूरी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दो महिला पुलिस बटालियन के गठन और उनके लिए 2,014 पदों के सृजन की मंजूरी दे दी है। इस कदम का लक्ष्य पुलिस बल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाना और लैंगिक ड्क्षहसा जैसे मामलों से निपटने में मदद मुहैया कराना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि राज्यपाल सत्यपाल मलिक की अध्यक्षता में राज्य प्रशासनिक परिषद (एसएसी) की सोमवार की रात एक बैठक हुई जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस में दो महिला पुलिस बटालियन बनाने के साथ ही इन बटालियों में विभिन्न रैंक के लिए 2,014 पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि सीमा बटालियन की तर्ज पर दो बटालियन बनाई जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ होने वाली ड्क्षहसा से प्रभावी रूप से निपटना और महिलाओं को पुलिस बल में प्रतिनिधित्व देना है। उन्होंने बताया कि इन बटालियनों में नियुक्ति का कार्य बटालियन की मंजूरी देने के एक साल के भीतर पूरा होगा।

हनीप्रीत को हाईकोर्ट से बड़ी राहत!

चंडीगढ़(उमंग)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को साध्वी यौन शोषण मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद पंचकूला में भड़के दंगों के मामले में अंबाला जेल में बंद हनीप्रीत को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ी राहत प्रदान की है। हनीप्रीत ने हाईकोर्ट में अर्जी लगाई कि उसे प्राईवेट फोन रखने की इजाजत दी जाए, जिसपर हरियाणा सरकार ने हनीप्रीत पर हीनियस क्राइम के आरोप लगे होने का हवाला देते हुए रोक लगा दी थी। वहीं आज हाईकोर्ट ने इस मामले पर कहा है कि हनीप्रीत अपने परिजनों से जेल के फोन के माध्यम से बात कर सकती है।

मेडिकल जांच के लिए वित्त मंत्री अरुण जेटली अमेरिका रवाना

बिजनेस डेस्क। वित्त मंत्री अरुण जेटली गुर्दा संबंधी अपनी बीमारी की जांच के लिए अचानक अमेरिका गए हैं। सूत्रों ने जानकारी दी कि वह रविवार की रात को ही अमेरिका रवाना हो गए थे। उल्लेखनीय है कि 14 मई 2018 को जेटली का गुर्दा प्रतिरोपण हुआ था। पिछले नौ महीनों से उन्होंने कोई विदेश यात्रा नहीं की है। उन्हें पिछले साल अप्रैल में एम्स में भर्ती कराया गया था जहां वह डायलसिस पर थे और बाद में उनका गुर्दा प्रतिरोपण हुआ था। जेटली की अनुपस्थिति में वित्त मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी रेलमंत्री पीयूष गोयल को सौंपी गई थी। जेटली 23 अगस्त 2018 को वापस वित्त मंत्रालय संभालने पहुंचे थे। उन्हें पिछले साल अप्रैल में 10वें भारत-ब्रिटेन आर्थिक एवं वित्त संवाद के लिए लंदन जाना था, लेकिन अपनी गुर्दे की बीमारी के चलते उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। जेटली को एक फरवरी को अपना छठा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार का आखिरी बजट पेश करना है।

सीजी के स्कूल में ही हो रहा शराब का कारोबार, आबकारी विभाग ने खोला ऑफिस

राजनांदगांव। भले ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने घोषणा पत्र पर शराबबंदी की बात कही थी लेकिन हालात जस के तस है। ताजा मामला राजनांदगांव का है जहां सरकारी नियमों को ताक पर रखकर आबकारी विभाग का दफ्तर एक स्कूल परिसर में संचालित किया जा रहा है। मामले में आबकारी विभाग ने गैर जिम्मेदराना बयान दिया है। इसको लेकर शासन-प्रशासन स्तर पर शिकायत करने की तैयारी की जा रही है। सरकारी सुविधाओं की पोल खोलता यह दफ्तर प्राथमिक और मिडिल स्कूल के परिसर में ही बनाया गया है। जहां छोट-छोटे बच्चों के सामने अवैध रूप से शराब का सेवन करने वाले या फिर अवैध परिवहन करने वालों को पकड़ कर लाया जाता है। ऐसे में बच्चों को न चाहते हुए भी अपराध की दुनिया के चेहरे और शराब की बोतले देखनी पड़ती हैं। इस संबंध में आबकारी अधिकारी नीतू नोतानी ठाकुर का कहना है । कि हमारे पास पहले एक छोटा सा कमरा भर था और हमें विभागीय काम करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। हमने राजनांदगांव कलेक्टर से भवन की मांग की और यह बिल्डिंग पहले से बनी हुई थी जो हमें आबंटित की गई है, इसलिए हम अपना ऑफिस यहीं से चला रहे हैं। वहीं इस संबंध में कलेक्टर भीम सिंह के अनुसार इस मामले में जल्द ठोस कदम उठाकर समस्या का समाधान किया जाएगा। ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थिती का सामना न करना पड़े।

कर्नाटक में जारी घमासान पर बोले सदानंद गौड़ा, सरकार गिरी तो भाजपा पेश करेगी दावा

बेंगलुरून (एजेंसी)। कर्नाटक में सात महीने पुरानी कुमारस्वामी सरकार से दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के कुछ देर बाद केंद्रीय मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने मंगलवार को यहां कहा कि राज्य में अगर कांग्रेस- जद एस की गठबंधन सरकार गिर जाती है तो भाजपा सरकार बनाने का दावा करेगी । गौड़ा ने कहा कि कुमारस्वामी सरकार विवादों के कारण गिर जाएगी और कांग्रेस- जद एस की 'मित्रता' 'टूट के कगार' पर है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह दोस्ती टूटने के कगार पर है। यह तलाक का समय है। 37 सीटों वाली पार्टी ने सरकार बना ली है। कलह के कारण यह खुद ही खत्म हो जाएगी। अगर सरकार गिरती है तो निश्चित तौर पर हम सरकार बनाएंगे।'' गौड़ा इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि गठबंधन सरकार गिरने की स्थिति में क्या भाजपा सरकार बनाने का दावा कर सकती है। कर्नाटक में मई 2018 के चुनावों के बाद कांग्रेस और जद एस ने मिलकर सरकार बनाई थी। 224 सदस्यीय विधानसभा में 104 सीट जीतकर भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। कांग्रेस को 79 सीट जबकि जद एस को 37 सीट मिली थी। भाजपा के लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा ने कहा कि हर कोई येदियुरप्पा को अगले मुख्यमंत्री के तौर पर देखना चाहता था। और 104 सीट जीतने के बाद पार्टी चुप नहीं बैठेगी।

भारतीय सेना

आर्मी चीफ रावत की पाक को चेतावनी- घुसपैठ का देंगे मुंहतोड़ जवाब

नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।

भारतीय सेना के प्रमुख जनरल बिपिन रावत नेपाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत शत्रुतापूर्ण कृत्यों के खिलाफ कड़े कदम उठाने में हिचकेगा नहीं। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके बल नियंत्रण रेखा पर दुश्मनों को ''करारा जवाब'' दे रहे हैं और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पश्चिमी सीमा से लगने वाला पड़ोसी देश अब भी आतंकवाद का समर्थन कर रहा है। सेना दिवस पर आयोजित समारोह में सैनिकों को संबोधित करते हुए रावत ने कहा कि हमारे बल नियंत्रण रेखा पर दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब दे रहे हैं। उन्हें भारी नुकसान पहुंच रहा है। मैं सीमा पार अपने दुश्मनों को चेतावनी दे रहा हूं कि हम किसी भी शत्रुतापूर्ण कृत्यों के खिलाफ कड़े कदम उठाने में हिचकेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर में सीमा पर मनोबल ऊंचा बना रहे। जनरल रावत ने कहा कि भारतीय सेना ने राज्य में आतंकवादियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। जम्मू-कश्मीर में युवकों को आतंकित कर हथियार हाथ में लेने को मजबूर किया जा रहा है। सेना प्रमुख ने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम नहीं चाहते कि जम्मू-कश्मीर के लोग परेशान हों। हमारा पड़ोसी देश इन चीजों में लिप्त है। हमारा पड़ोसी देश आतंकवादियों को प्रशिक्षण और हथियार देता है, जिसे विश्वस्तर पर सरकार प्रायोजित आतंकवाद कहा जाता है। उन्होंने चीन के साथ लगी सीमा

का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और चीन ने अपनी सेनाओं के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पूर्वी सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के प्रयास जारी है। लेकिन हम स्थिति की समीक्षा करते रहेंगे। हमारे सैनिक पूर्वी क्षेत्र में सीमा की निगरानी में कोई समझौता नहीं होने देंगे। पूर्वोत्तर की स्थिति पर बात करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और सेना नियमित रूप से उग्रवाद विरोधी अभियान चला रही है। उन्होंने सैनिकों और उनके परिवार वालों से सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने में सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल कट्टरता फैलाने के लिए किया जा रहा है। जनरल रावत ने कहा कि युद्ध की स्थिति में हम नौसेना और वायुसेना के साथ मिलकर निर्णायक जीत हासिल करेंगे।

कर्नाटक में कांग्रेस - जेडीएस सरकार को कोई खतरा नहीं : देवगौड़ा

बेंगलुरू (एजेंसी)

कर्नाटक में सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों की भाजपा द्वारा खरीद फरोख्त किए जाने के आरोपों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री एवं जेडीएस प्रमुख एच डी देवगौड़ा ने मंगलवार को कहा कि उनके बेटे एच डी कुमारस्वामी नीत सरकार को कोई खतरा नहीं है। देवगौड़ा ने कहा,'यह मीडिया सहित किसी के हाथ में नहीं है। चाहे आप कितना भी चिल्ला लें, कुछ नहीं होगा क्योंकि यह ईश्वर के हाथों में है। जब एक पार्टी (जेडीएस) के 38 विधायकों को एक राष्ट्रीय पार्टी (कांग्रेस) का आशीर्वाद प्राप्त है, ऐसे में सब ईश्वर की इच्छा पर निर्भर है।' एच नागेश (निर्दलीय) और आर शंकर (केपीजेपी), इन दो विधायकों के कांग्रेस - जेडीएस सरकार से समर्थन वापस लेने से ठीक पहले उनकी यह टिप्पणी आई। कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही पार्टियां एक दूसरे पर अपने - अपने विधायकों को प्रलोभन देने की कोशिश करने का आरोप लगाती रही हैं। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भाजपा ने अपने विधायकों को हरियाणा के नूंह जिला स्थित एक रिसॉर्ट में भेज दिया है। इससे पहले, रविवार को राज्य के जल संसाधन मंत्री डी. के. शिवकुमार ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के कुछ विधायकों को मुंबई के एक होटल में रखा गया है। देवगौड़ा ने कहा कि यह सोचना गलतफहमी है कि कांग्रेस - जेडीएस सरकार संकट में है। जेडीएस प्रमुख ने कहा, 'आप कुछ भ्रम में (सरकार की स्थिरता के बारे में) हैं जैसा कि येदियुरप्पा भी हैं, लेकिन मुझे ऐसा कोई भ्रम नहीं है। कोई भी व्यक्ति सरकार को अस्थिर नहीं कर सकता क्योंकि यह ईश्वर की इच्छा है।' देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी इन आरोपों को लेकर आलोचना की है कि भाजपा द्वारा सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों को 60 लाख रुपए और मंत्रीपद की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा कि 'क्या यह अच्छा लगता है कि एक राष्ट्रीय पार्टी (भाजपा) अपने 104 विधायकों को सुरक्षित स्थान पर रखे हुए है? मैं अमित शाह के बारे में बात नहीं कर रहा, बल्कि मोदी के बारे में कह रहा हूं जो दिन भर ढेर सारी बातें करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी विधायक घर पर हैं। हम उन्हें लेकर चिंतित नहीं हैं।' देवगौड़ा ने कहा कि

कांग्रेस बेवजह ही परेशान है। उन्होंने कहा, '(कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी) केसी वेणुगोपाल यहां आए हैं क्योंकि कुछ खबरें सुनने के बाद उन्हें अवश्य ही कुछ डर लगा होगा, लेकिन किसी तरह के भ्रम में रहने की कोई जरूरत नहीं है।'

एक तरफा ट्रेफिक के खोला गया तीन सौ किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग

श्रीनगर ।

कश्मीर घाटी को देश के शेष हिस्सों से जोड़ने वाले एवं सभी मौसम में खुले रहने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकतरफा यातायात बहाल है जबकि श्रीनगर-लेह और ऐतिहासिक मुगल रोड बर्फबारी की वजह से बंद है। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को एकतरफा यातायात चलने की मंजूरी दी गयी है जिस पर शीतकालीन राजधानी जम्मू से कश्मीर तक वाहन जा सकते हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि राजमार्ग पर यातायात जाम न हो इसलिये हल्के वाहन और भारी वाहनों के चलने पर कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं।

ॅयह पाबंदियां उन स्थानों पर लगाई गई हैं जहां राजमार्ग को चौड़ा करने का काम चल रहा है। साथ ही ,उन जगहों पर भी वाहनों के आवागमन पर पाबंदी है जहां लगातार हिमस्खलन और बर्फबारी हो रही है। अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग से एकतरफा आवागमन शुरू होने के बाद मंगलवार सुबह 6 बजे से जम्मू से सैकड़ों हल्के वाहन कश्मीर घाटी के लिये रवाना हुये। इनमें ज्यादातर में यात्री वाहन थे। इन वाहनों को उधमपुर के जाखेनी को दोपहर डेढ़ बजे तक पार करना होगा। इस दौरान किसी भी भारी वाहन को राजमार्ग से जाने की अनुमति नहीं होगी। जरूरी की वस्तुओं ले जा रहे ट्रक और तेल के टैंकरों को जाखेनी से दोपहर एक बजे से शाम 7 बजे तक चलने की अनुमति दी जायेगी। अधिकारी ने बताया कि इस समयसीमा के बाद किसी वाहन को चलने की अनुमति नहीं होगी। सोमवार को हालांकि कश्मीर घाटी से जम्मू तक राजमार्ग से सफर करने वालों ने आरोप लगाया था कि बनिहाल में उन्हें करीब दो घंटे तक भारी जाम का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने आरोप लगाया कि जम्मू जा रहे सभी वाहन और राज्य सडक़ परिवहन की बसें इस दौरान रूक गई थीं।

इस बीच, कश्मीर को लद्दाख क्षेत्र से जोडऩे वाला राष्ट्रीय राजमार्ग जोजिला दर्रे पर कई फुट बर्फ जमने के कारण करीब दो महीने से बंद है। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस राजमार्ग पर कारगिल शहर से लेह तक वाहनों का आवागमन हालांकि सुचारू रूप से जारी है।

भाजपा को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी पश्चिम बंगाल में रथयात्रा की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा को झटका देते हुए उसे पश्चिम बंगाल में रथयात्रा की अनुमति नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भाजपा प. बंगाल में स्टेट यूनिट राजनीतिक बैठकें और रैलियां कर सकती है लेकिन रथयात्रा की अनुमति नहीं होगी। वहीं साथ में ही कोर्ट ने कह दिया कि अगर भाजपा नए सिरे से रथयात्रा की योजना बनाती है तो कोर्ट उस पर विचार कर सकता है। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ भाजपा की प्रदेश इकाई की अपील यह कहते हुए खारिज कर दी कि रथयात्रा के दौरान हिंसा की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि भाजपा केवल सामान्य रैलियां आयोजित कर सकती हैं, बशर्ते वह राज्य सरकार से अनुमति ले ले। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने भाजपा को रथयात्रा की अनुमति दे दी थी, लेकिन युगल पीठ ने साम्प्रदायिक सौहार्द खराब होने की खुफिया जानकारियों के आधार पर एकल पीठ के फैसले को निरस्त कर दिया था। भाजपा प्रदेश इकाई ने उच्च न्यायालय की युगल पीठ के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि रथयात्रा पर रोक लगाने का हाईकोर्ट का फैसला उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

सीएजी ने राफेल डील का ब्योरा देने से किया इनकार, कहा- संसद का होगा उल्लंघन

नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने विवादित राफेल विमान करार के अपने अंकेक्षण का ब्योरा देने से इनकार कर दिया है। सीएजी ने कहा कि राफेल करार के अंकेक्षण की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और अभी कोई खुलासा करने से संसद के विशेषाधिकार का हनन होगा। पुणे में रहने वाले कार्यकर्ता विहार दुर्वे की ओर से सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक अर्जी पर अपने जवाब में सीएजी ने यह जानकारी दी। सीएजी ने कहा कि अंकेक्षण में प्रगति हो रही है और रिपोर्ट को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यह सूचना आरटीआई कानून की धारा 8(1)(सी) के तहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि ऐसा करना संसद के विशेषाधिकार का हनन होगा। पिछले महीने उच्चतम न्यायालय ने उन अर्जियों को खारिज कर दिया था जिनमें 36 राफेल विमानों की खरीद के लिए भारत और फ्रांस के बीच हुए करार को चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस मामले में फैसला लेने की प्रकि या पर संदेह करने की कोई वजह नहीं है। अर्जियों में मांग की गई थी कि 58,000 करोड़ रुपए के करार में हुई । कथित अनियमितता की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाए और मामले की छानबीन अदालत की निगरानी में कराई जाए।

संपादकीय

आस्था व संस्कृति को सहेजता कुंभ

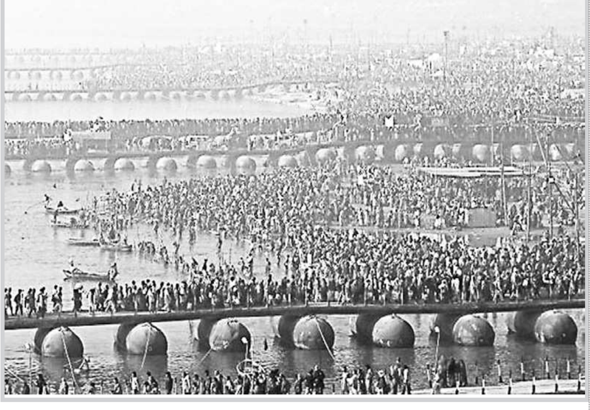

प्रयागराज में कुंभ का आयोजन मंगलवार से शुरू हो जाएगा। मकर संक्रांति के दिन से शुरू होने वाले इस महापर्व की महत्ता अब देश ही नहीं पूरी दुनिया में फैली है। तभी विदेशों से भी बड़ी संख्या में सैलानी भारत पहुंचते हैं। कुंभ विश्व में किसी भी धार्मिक प्रयोजन के लिए श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा जमावड़ा माना जाता है। यह कुंभ की धार्मिक-सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्ता को निरुपित करता है।

कुंभ का आयोजन भारतीयों के लिए धार्मिक संस्कार व सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन भर नहीं, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संसार को भारतीय मनीषियों के त्याग, तपस्या और बलिदान से परिचित कराने का अद्भुत अवसर भी है। दुनिया भर के करोड़ों लोगों का कुंभ की ओर खींचे चले आना इसी सत्य को प्रतिध्वनित करता है। शास्त्रों में कहा गया है कि 'माघे वृष गते जीवे मकरे चंद्र भाष्करौ, अमवस्याम तदा कुंभ प्रयागे तीर्थ नायके।' यानी माघ का महीना और गुरु, वृष राशि पर होते हैं। सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं और अमावस्या होती है तब प्रयागराज तीर्थ में कुंभ पर्व पड़ता है। उल्लेखनीय है कि प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक इन चारों स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष कुंभ महापर्व का आयोजन होता है। प्रयाग में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम, हरिद्वार में गंगा, उज्जैन में शिप्रा और नासिक में गोदावरी के तट पर कुंभ महापर्व का आयोजन होता है। इनमें से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष और प्रयाग में दो कुंभ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्द्धकुंभ भी लगता है।

शास्त्रीय और खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुंभ महापर्व की शुरुआत मकर संक्रांति के दिन से होता है और कई दिनों तक जारी रहता है। शास्त्रों के अनुसार यह दिन मांगलिक होता है और ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और कुंभ में स्नान करने से आत्मा को जीवन-मरण के बंधन से मुक्ति मिल जाती है। शास्त्रों में कुंभ स्नान की तुलना साक्षात स्वर्ग दर्शन से की गई है। शास्त्रों में कहा गया है कि पृथ्वी का एक वर्ष देवताओं का दिन होता है। इसलिए बारह वर्ष पर एक स्थान पर पुनः कुंभ का आयोजन होता है। शास्त्रों के अनुसार देवताओं का 12 वर्ष पृथ्वी लोक के 144 वर्ष के बाद आता है। इसलिए उस वर्ष पृथ्वी पर महाकुंभ का आयोजन होता है। पौराणिक मान्यता है कि महाकुंभ के दरम्यान गंगा का जल औषधिपूर्ण और अमृतमय हो जाता है और उसमें स्नान करने वाले तमाम विकारों से मुक्त हो जाते हैं। गंगा और यमुना दोनों ही नदियां भारतीय जन की आराध्य हैं।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पर्याय हैं। पौराणिक मान्यता है कि राजा भगीरथ वर्षों की तपस्या के उपरांत ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन गंगा को पृथ्वी पर लाने में सफल हुए। स्कंद पुराण और वाल्मीकी रामायण में गंगा अवतरण का विशद व्याख्यान है। शास्त्र, पुराण और उपनिषद भी गंगा की महत्ता और महिमा का बखान करते हैं। इन्हीं नदी घाटियों में ही आर्य सभ्यता पल्लवित और पुष्पित हुई। प्राचीन काल में व्यापारिक एवं यातायात की सुविधा के कारण देश के अधिकांश नगर नदियों के किनारे ही विकसित हुए। आज भी देश के लगभग सभी धार्मिक स्थल किसी न किसी नदी से ही संबंद्ध हैं। गंगा और यमुना की महत्ता इस अर्थ में भी ज्यादा है कि देश की बड़ी आबादी इनके जल से प्राणवान और ऊर्जावान है। इन दोनों नदियों का धार्मिक महत्व के अलावा विशेष आर्थिक सरोकार भी है। गंगा के बेसिन में देश की 43 फीसद आबादी निवास करती है। प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से उनकी जीविका गंगा पर निर्भर है, लेकिन विडंबना है कि गंगा किस्म-किस्म के प्रदूषण की शिकार है और उसका पानी आचमन योग्य नहीं रह गया है। लेकिन अच्छी बात है कि गंगा सफाई को लेकर सरकार का अभियान जारी है वहीं जनमानस में संजीदगी बढ़ी है।

यह भारत राष्ट्र के लिए गर्व की बात है कि कुंभ मेले को संयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन 'यूनेस्को' ने अपनी प्रतिष्ठित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल कर लिया है। गौरतलब है कि यूनेस्को के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के दायरे में मौखिक परंपराओं और अभिव्यक्तियों, प्रदर्शन कलाओं, सामाजिक रीतियों-रिवाजों और ज्ञान इत्यादि को ही सम्मिलित किया जाता है। हाल ही में यूनेस्को ने भारत की सांस्कृतिक विरासत योग और नवरोज को भी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल किया है। इस तरह कुंभ मेले व योग समेत भारत की कुल 14 धरोहरें मसलन छाऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध भिक्षुओं का मंत्रोच्चारण, संकीर्तन-मणिपुर में गाने-नाचने की परंपरा, पंजाब में ठठेरों द्वारा तांब व पीतल के बर्तन बनाने का तरीका और रामलीला इत्यादि यूनेस्को की सूची में शामिल हो चुकी हैं।

यूनेस्को ने कुंभ को अपनी सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल करने का जो तर्क दिया है उसके मुताबिक प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में लगने वाला कुंभ मेला धार्मिक उत्सव के तौर पर सहिष्णुता और समग्रता को रेखांकित करता है। यूनेस्को का कहना है कि यह कुंभ खासतौर पर समकालीन दुनिया के लिए अनमोल है। कुंभ मेले के इतिहास में जाएं तो इसका प्रारंभ कब हुआ कोई निश्चित प्रमाण नहीं है। उसका मूल कारण यह है कि वैदिक और पौराणिक काल में इतिहास लिखने की परंपरा नहीं थी और कुंभ तथा अर्द्धकुंभ स्नान में आज जैसी प्रशासनिक व्यवस्था भी नहीं थी जो लेखनबद्ध करे। यहीं कारण है कि कुंभ मेले का कोई लिखित ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। लेकिन गौर करें तो शास्त्रों में कुंभ का विशद वर्णन उपलब्ध है। स्मृतियां, धर्मशास्त्र, रामायण, महाभारत एवं अन्य समकालीन ग्रंथों में कुंभ का विशद वर्णन है। ऐतिहासिकता में जाएं तो गुप्त काल में भी कुंभ के सुव्यवस्थित होने के भरपूर साक्ष्य उपलब्ध हैं। जहां तक प्रमाणिक तथ्यों का सवाल है तो शिलादित्य हर्षवर्धन के समय प्रयाग की महत्ता के साक्ष्य उपलब्ध हैं।

इतिहास में वर्णित है कि सम्राट हर्षवर्धन अपनी दानशीलता के लिए संसार में प्रसिद्ध है। प्रति पांचवें वर्ष प्रयाग में उसका महादान उत्सव उसकी दानशीलता का ज्वलंत उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि वह प्रति पांचवें वर्ष प्रयाग में महादान उत्सव का आयोजन करता था इतिहासकारों का मानना है कि हर्षवर्धन कुंभ मेले के दौरान ही दान महोत्सव का आयोजन करता था। बाद में श्री आदि जगद्गुरु शंकराचार्य व शिष्य सुरेश्वराचार्य ने दसनामी संन्यासी अखाड़ों के लिए संगम तट पर स्नान की व्यवस्था की। कई इतिहासकारों का मानना है कि कुंभ मेला 525 ई पूर्व में प्रारंभ हुआ। शास्त्रों में जाएं तो कुंभ से जुड़ी कई कथानकें जनमानस में प्रचलित हैं। इनमें सर्वाधिक मान्य कथानक देव-दानवों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुंभ से अमृत बूंदें गिरने को लेकर है। इस कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र और अन्य देवता कमजोर हो गए तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया, तब देवता भगवान विष्णु के पास गए और उन्हें सारा वृतांत सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हें दैत्यों के साथ समुद्र मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी।

भगवान विष्णु की सलाह पर देवता समुद्र मंथन कर अमृत निकालने में जुट गए। अमृत कुंभ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इंद्रपुत्र जयंत अमृत कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य के आदेश पर दैत्यों ने अमृत कलश ले जा रहे इंद्रपुत्र जयंत को पकड़ लिया। कलश पर कब्जा जमाने की होड़ में कलश से अमृत की बूंदे प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिर पड़ीं। इसी वजह से इन चारों स्थानों पर कुंभ लगता है। ऐसी मान्यता है कि अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर 12 दिन तक निरंतर युद्ध हुआ। देवताओं के 12 दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। अतएव कुंभ भी 12 होते हैं। उनमें से 4 कुंभ पृथ्वी पर होते हैं और शेष 8 कुंभ देवलोक में होते हैं। कुंभ के लिए जो नियम निर्धारित है उसके अनुसार प्रयाग में कुंभ तब लगता है जब माघ अमावस्या के लिए सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में और गुरु मेष राशि में होता है। गौर करें तो कुंभ महापर्व विश्व में किसी भी धार्मिक प्रयोजन हेतु श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा जमावड़ा है।

अरविंद जयतिलक
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

हनी ट्रैप के प्रति सतर्कता जरूरी

सेना में इस प्रकार के जासूसी के मामले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की नापाक साजिशों के चलते जिस तरह अब रह-रहकर सामने आ रहे हैं, वो देश की सुरक्षा की दृष्टि से गहन चिंता का विषय हैं। सेना को इस समय बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

पाकिस्तानी की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा सेना के जवानों और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े कर्मियों को हनी ट्रैप में फांसने की साजिश नई नहीं है लेकिन अब उसका जो मॉड्यूल है उसमें कुंवारों को शादी का झांसा और बेरोजगारों को खुफियागिरी की नौकरी देने वाला नया है। आईएसआई की इसी साजिश का शिकार एक और सेना का जवान हुआ है। हनीट्रैप फंसकर पाक जासूस को खुफिया जानकारी देने के आरोपी जवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। सेना के जवान सोमवीर से हुई पूछताछ और अब तक की छानबीन से पता चला है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई महिलाओं के माध्यम से भारत की सैन्य संबंधी जानकारी एकत्रित करती है। आईएसआई से जुड़ी महिला एजेंट भारत के सामरिक ठिकानों पर तैनात जवानों से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती कर अपने जाल में फंसाती हैं। पिछले दिनों जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन के टैंक यूनिट में तैनात जवान सोमवीर को इस मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आईएसआई महिला एजेंट ने अनिका चोपड़ा के नाम से फेसबुक आइडी बना रखी है। उसने अब तक करीब चार दर्जन जवानों को अपने जाल में फंसाकर खुफिया जानकारी एकत्रित की है। जवानों से बात करने वाली महिला कराची की रहने वाली है। भारतीय सेना में इस प्रकार के जासूसी के मामले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की नापाक साजिशों के चलते जिस तरह अब रह-रहकर सामने आ रहे हैं, वो देश की सुरक्षा की दृष्टि से गहन चिंता का विषय हैं। कुछ माह पूर्व हरियाणा के सोनीपत जिले के गन्नौर से गौरव नामक युवक को पकड़ा गया, जिसे आईएसआई की दो महिला जासूसों ने फेसबुक के माध्यम से फेक आईडी के जरिए सेना में भर्ती होने के बाद सेना से जुड़ी जानकारियां देने के लिए तैयार किया था और उसे सेना में भर्ती होने वाले अन्य युवकों से भी संपर्क बनाकर उनसे जानकारियां हासिल कर इन महिला जासूसों को उपलब्ध कराने के लिए लालच दिया गया था।

गौरव ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर 'इंडियन आर्मी' लिखा था, इसीलिए आईएसआई द्वारा सैन्य जानकारियां हासिल करने के मकसद से उसे निशाना बनाया गया और वह अमिता अहलूवालिया तथा सोनू कौर नाम से फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल वाली आईएसआई की दो महिला जासूसों के जाल में बड़ी आसानी से फंस गया। जमीनी लड़ाई में भारत से पिटता रहा पाकिस्तान आईएसआई के माध्यम से भारतीय जवानों व अधिकारियों को ऐसी ही हसीनाओं के 'हसीन' जाल में फंसाकर गुप्त राज हासिल करने की जुगत में काफी समय से लगा है लेकिन अब जिस प्रकार दुश्मन देश को सूचनाएं लीक करने के मामले में सेना के बड़े अधिकारी भी पकड़े जाने लगे हैं तो स्थिति की गंभीरता को आसानी से समझा जाता है। आईएसआई की इस साजिश से सरकार को सतर्क रहने की जरूरत है।

सपा-बसपा गठबंधन मजबूरी ज्यादा

बात 1993 की है, जब पहली बार समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने गठबंधन किया और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ा। इस चुनाव में 176 सीटें दोनों ने जीती और सरकार बना ली, लेकिन जून-1995 में हुए गेस्ट हाउस कांड के बाद दोनों दलों के बीच जो दूरी आई वह लगातार बढ़ती चली गई और दोनों दल एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। उस गठबंधन के बाद 25 साल का एक बड़ा वक्त यानी ढाई दशक बीत जाने के बाद एक बार फिर से दोस्ती की वही राह फिर से नजर आने लगी है। फूलपुर व गोरखपुर लोकसभा उपचुनाव से पुरानी दोस्ती का रंग लोकसभा चुनाव और उसके बाद कितना गाढ़ा होगा यह भी देखना दिलचस्प होगा। भाजपा के भगवा अभियान से विचलित बसपा ने साइकिल से अपनी कदम ताल मिलने का फैसला कर लिया है। हालांकि ऑफर तो सपा की ओर से ही था लेकिन सही मायने में यह खुद को बचाने के लिए लिया गया फैसला है और इसके राजनीतिक मायने सिर्फ अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए ही हैं।

लखनऊ के ताज होटल में शनिवार को बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव जब मीडिया के सामने एक साथ बैठे तो राजनीतिक पटल पर संभावनाओं और शंकाओं के बादल मंडरा रहे थे। अलबत्ता लोकसभा चुनाव से पहले सपा और बसपा ने बड़ा फैसला लेते हुए गठबंधन की घोषणा कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा चीफ मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उसकी घोषणा की। हालांकि, इस गठबंधन से दोनों दलों ने कांग्रेस को दूर रखा है। बसपा प्रमुख मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमने आने वाले लोकसभा चुनाव में एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हमने यह फैसला 25 साल पहले राज्य में हुए गेस्ट हाउस कांड को भूलते हुए लिया है। इस गठबंधन के बाद सपा और बसपा दोनों ही 80 में से 38-38 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं रायबरेली और अमेठी की दो सीटें कांग्रेस के लिए छोड़ दी गई हैं।

मायावती ने कहा कि यह गठबंधन भाजपा एंड कंपनी को रोकने के लिए जनहित में किया गया है। इसमें कांग्रेस शामिल नहीं है। कांग्रेस के लिए सीट छोड़ने से वोट नहीं बढ़ता। भाजपा और कांग्रेस की नीतियां एक जैसी ही हैं। दोनों ने देश पर राज किया है और दोनों एक सी नीतियों पर चलते हैं। कांग्रेस ने देश में इमरजेंसी लगाई वहीं भाजपा के राज में भी अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात है। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के घमंड को तोड़ने के लिए यह जरूरी था की सपा-बसपा साथ आएं।

करीब 25 साल बाद सभी गिले-शिकवे भुलाकर बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया है। दोनों यूपी की 38-38 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वैसे, गठबंधन सपा और बसपा की मजबूरी भी है और उनके लिए जरूरी भी है कि वह अपने बिखरते वोट बैंक को बचाए और विपक्ष में ही सही खड़े रहने लायक बने और उत्तरप्रदेश में खिसक रही अपनी जमीन को बचा सकें।

भाजपा हमारे कार्यकर्ताओं के बीच मतभेद पैदा करने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है लेकिन हमें साथ रहना होगा। हालांकि, इस घोषणा के साथ ही प्रदेश की राजनीति में धुर विरोधी माने जाने वाले सपा-बसपा का ढाई दशक बाद एक मंच पर आए हैं जो उत्तरप्रदेश की सियासत का बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए एक बार फिर दो बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने जिस तरह गठबंधन किया है, उसने दो साल पहले की यादें ताजा कर दी हैं। दो वर्ष पूर्व विधानसभा चुनाव से पहले राजधानी लखनऊ के पांच सितारा ताज होटल में ही अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने 'यूपी के लड़के' और 'यूपी को यह साथ पसंद है' के नारे के साथ चुनावी गठजोड़ किया था। हश्र सभी को पता है। सपा का तकरीबन ढाई दशक पहले बसपा से गठबंधन करने का फार्मूला हिट रहा था। इसलिए मायावती और अखिलेश को लग रहा है कि वे भाजपा को मात दे देंगे। अगर थोड़ा पीछे जाएं तो नब्बे के दशक में राम लहर पर ब्रेक लगाने का काम सपा-बसपा गठबंधन ने किया था। तब बसपा के संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने मिलकर वर्ष 1993 में विधानसभा चुनाव लड़ा था। बाबरी ढांचा गिरने के बाद भाजपा का सत्ता में वापसी का ख्वाब भी टूट गया था। इस बार मायावती और अखिलेश इतिहास दोहरा पाएंगे या नहीं, यह भविष्य के गर्भ में है।

वैसे, गठबंधन सपा और बसपा की मजबूरी भी है और उनके लिए जरूरी भी है कि वह अपने बिखरते वोट बैंक को बचाए और विपक्ष में ही सही खड़े रहने लायक बने। फिलहाल 25 साल पहले जो करिश्मा उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा ने मिलकर किया था उसी करिश्मे को वापस फिर से करने की कोशिश में बसपा ने पहली सीढ़ी चढ़ ली है। यह अपने आप में ही राजनीति की वह भाषा है जिसे आम जनता कभी भी समझ नहीं पाती है। एक-दूसरे के धुर विरोधी हो चुके और हर वक्त निशाने पर रहने वाले यह दोनों दल अब एक-दूसरे के विरोध में बोलते नजर नहीं आएंगे। यह आश्चर्य जरूर होगा क्योंकि दोनों दलों के समर्थक-कार्यकर्ता हमेशा से ही एक-दूसरे के सामने तलवार खींचे खड़े रहते थे लेकिन अब वही तलवारें इनके सेनापतियों ने म्यान में रखने का आदेश दे दिया है। इन बीते 25 सालों में बहुत कुछ बदला है। बसपा शिखर पर पहुंच कर जहां धड़ाम हुई है। वहीं नीचे से उठती हुई सपा अर्श से एक बार फिर से फर्श की ओर लौट रही है। कहते हैं कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है ऐसे में राजनीति में दुश्मन बन चुकी भाजपा बसपा और सपा के लिए दोस्ती का ताना-बाना लेकर आई है।

1993 के बाद से 2017 के चुनाव के बीच यदि सपा -बसपा के शक्ति आकलन को देखें तो शुरुआती दिनों में कई सालों तक जहां बसपा ने जातिगत रणनीति के आधार पर अपना कद लगातार बढ़ाया। वहीं मौजूदा समय में बसपा के मुकाबले सपा कहीं अधिक पावरफुल हो चुकी है। 1995 गेस्ट हाउस कांड के बाद चार बार बसपा सत्ता में आई और माया मुख्यमंत्री बनीं जबकि सपा के लिए सिर्फ दो बार ही ऐसे मौके आए जब उनकी पार्टी यूपी की सत्ता हासिल कर सकी। 2007 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद जब 2012 में विधानसभा चुनाव हुए तो बसपा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और लगातार बसपा नेताओं का बसपा छोड़ने का क्रम शुरू हुआ। नतीजा यह हुआ कि मौजूदा समय में बसपा पूरी तरह से टूट कर बिखर चुकी है और शक्तिहीन होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वहीं बसपा के मुकाबले में सपा मौजूदा समय में अधिक प्रभावशाली है दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है। मौजूदा समय में सपा के पास इतनी शक्ति नहीं कि वह अकेले विधानसभा या लोकसभा चुनाव में भाजपा को टक्कर दे सके जबकि बसपा ने अपनी शक्ति को खुद ही इतना खत्म कर लिया है कि वह सपा को भी टक्कर देने की स्थिति में नहीं है।

यह वक्त की जरूरत है कि दोनों दल फिर से एक बार साथ आएं और अंत तक बने भी रहें तथा साल 1993 में हुए विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन को फिर से दोहराएं। अखिलेश यादव पूरी तरह से युवा शक्ति को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और मायावती के पास एक बड़ी फौज मतदाताओं की है। अगर यह दोनों दल फिर से एक बार जुड़ रहे हैं तो सूबे में नए सियासी समीकरण बनेंगे जो लोकसभा और विधानसभा चुनाव में गुल खिलाएंगे, लेकिन यह भी तय है कि भाजपा इन दोनों को आसानी से तो मैदान मारने नहीं देगी। फिर आगामी दिनों में कांग्रेस क्या करेगी, यह भी देखना बेहद दिलचस्प होगा, क्योंकि तीन राज्यों में जीत के बाद उसके हौसले आसमान पर हैं और वह इस जीत को लोकसभा चुनाव में भुनाने से पीछे नहीं हटेगी। कुल मिलाकर मायावती और अखिलेश ने जो गठबंधन किया है, उसकी आगे की राह बेहद मुश्किल है। इस लिहाज से यूपी की राजनीति बेहद दिलचस्प होने वाली है।

जयप्रकाश गोयल
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

सेना के जवानों पर आईएसआई की साजिश का खुलासा बेहद गंभीर करने वाला है। ऐसे तो देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। दोषी जवानों को सख्त सजा मिले।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

आईएसआई की साजिश से जवानों को बचाने सेना को अब जागरूक कार्यक्रम चलाने की जरूरत है, ताकि बताया जा सके कि खतरा कैसे व किस रूप में आ रहा है।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

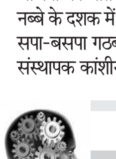

सत्यार्थ

आत्मविश्वास का महत्व

एक नौजवान व्यवसायी अपनी लगन और कठोर परिश्रम के चलते शहर का सबसे धनी और सम्मानित व्यक्ति बन गया। लेकिन धीरे-धीरे वह घमंडी और लापरवाह हो गया। इस तरह उसे व्यापार में घाटा हुआ और वह कर्जदार हो गया। एक दिन वह हताशा और निराशा की मुद्रा में एक पार्क में बैठा हुआ था। तभी एक बुजुर्ग व्यक्ति ने उसकी चिंता का कारण पूछा। उसने अपनी पूरी स्थिति बयान कर दी। यह सुनकर बुजुर्ग बोले-मुझे तुम सच्चे और ईमानदार व्यक्ति लगते हो। यदि मैं तुम्हें 10 लाख रुपए का ब्याज रहित कर्ज दे दूं, तो क्या तुम्हारी समस्या हल हो जाएगी? युवक बोला-यदि ऐसा हो जाए तो मैं आजीवन आपका कृतज्ञ रहूंगा। बुजुर्ग ने युवक को तुरंत 10 लाख रुपए का एक चेक दिया और कहा-ठीक एक साल बाद हम यहीं पर मिलेंगे, तुम मुझे मेरी रकम लौटा देना। युवक ने कृतज्ञ आंखों से उस बुजुर्ग को जाते हुए देखा। उसने घर आकर सोचा कि उस दयालु बुजुर्ग व्यक्ति ने उस पर विश्वास करके चेक दिया है, लेकिन इसे वह भुनाएगा नहीं, अपने धन से ही काम चलाएगा और उसका विश्वास किसी भी हालत में टूटने नहीं देगा। वह पूरे आत्मविश्वास से अपने काम में जुट गया। उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन के चलते उसका काम पहले से भी अच्छा चलने लगा। एक साल पूरा होने पर निश्चित दिन युवक उसी पार्क में बुजुर्ग द्वारा दिए चेक के साथ पहुंच गया। बुजुर्ग भी वहां आ पहुंचा, पर वहां मौजूद कुछ लोगों ने उसे बताया कि यह बुजुर्ग तो पागल है, जो अपने आपको अमीर बता कर फर्जी चेक बांटता रहता है। युवक की समझ में आ गया कि उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन को लौटाने में फर्जी चेक का नहीं, आत्मविश्वास का हाथ है।

बीडी शर्मा

बैंकों के विलय देश की अर्थव्यवस्था के लिये नुकसानदायकः माकपा

नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।

माकपा ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय को देश की अर्थव्यवस्था के लिये नुकसानदायक बताते हुये सरकार से इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। माकपा पोलित ब्यूरो ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा, देना बैंक और विजया बैंक के विलय की प्रक्रिया बैंक के कर्मचारियों के सामूहिक विरोध के बावजूद शुरु की है।

विलय के बाद कमजोर होंगे बैंक

पोलित ब्यूरो ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि सिर्फ बैंक के कर्मचारी ही नहीं बल्कि समूचे बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारी भी इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बैंकों की मजबूती की दलील देकर विलय को भले ही जायज ठहराये लेकिन सच्चाई यह है कि विलय के बाद तीनों बैंक कमजोर होंगे।

सरकार से की विलय रोकने की मांग

पार्टी ने दलील दी कि बैंकों की बदहाली की मूल वजह बड़े औद्योगिक घरानों द्वारा बैंकों से लिये गये कर्ज की अदायगी नहीं करना है। ऐसे में इस समस्या का कारगर उपाय सरकार द्वारा सख्ती से कर्ज अदायगी सुनिश्चित करना हैफ विलय जैसी निरर्थक कवायद इसका समाधान नहीं है। पार्टी पोलित ब्यूरो ने बैंकों के विलय की कवायद का नुकसानदायक होने के आधार पर विरोध करते हुये सरकार से विलय रोकने की मांग की।

अमेरिका को पीछे छोड़ भारत बन सकता है दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत 2030 तक अमेरिका से आगे निकलकर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। ब्रिटिश फाइनेंसियल सर्विसेस फर्म स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। अमेरिका इन दो एशियाई दिग्गजों से पिछड़ते हुए लिस्ट में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। दुनिया की 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की लिस्ट में इंडोनेशिया के चौथे स्थान पर आने की उम्मीद है। वहीं, तुर्की पांचवे स्थान पर खिसक सकता है। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था में 2020 तक 7.8 प्रतिशत तक की तेजी का अनुमान है, जबकि 2030 तक चीन की आर्थिक ग्रोथ 5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए प्राकृतिक मंदी को दर्शाता है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के अर्थशास्त्रियों के अनुसार 2020 तक मध्य-वर्ग के आय वर्ग में दुनिया की अधिकांश आबादी प्रवेश कर रही है। हालांकि चीन की अर्थव्यवस्था पर देश की आबादी में तेजी से बढ़ती उम्र का असर होगा। रिपोर्ट को बनाने में लंबी अवधि के विकास पूर्वानुमानों को एक प्रमुख सिद्धांत द्वारा रेखांकित किया गया है। विश्व जीडीपी में देशों का हिस्सा, दुनिया की आबादी में उन देशों की हिस्सेदारी और प्रति व्यक्ति आय को ध्यान में रखते हुए ।

एनसीआर में बिना बिके मकानों की संख्या में कमी, लटकी परियोजनाएं भी चिंता का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

ब्रिकी में सुधार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिना बिके मकानों की संख्या में 2018 में 9 प्रतिशत तक कमी आई है। हालांकि, अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाएं अभी भी चिंता का विषय बनी हुयी हैं। संपत्ति से संबंधित परामर्श देने वाली फर्म एनारॉक ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। एनारॉक ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मकानों की बिक्री 2018 में 18 प्रतिशत बढ़कर 44,300 इकाई पर पहुंच गयी। 2017 में बिक्री 37,610 इकाई रही थी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान नये मकानों की आर्पूति भी 17 प्रतिशत बढ़कर 2017 में 22,180 इकाई से पिछले साल 26,010 इकाई हो गयी। वहीं, बिना बिके मकानों की संख्या 9 प्रतिशत गिरकर 1,86,714 इकाई पर रह गयी, जो कि 2017 में 2,05,000 पर थी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, एनसीआर में आवास बिक्री 2018 में 18 प्रतिशत बढ़ी। बिक्री में वृद्धि के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लटकी और देरी से चल रही परियोजनाओं को लेकर ड्क्षचता बढ़ी है। सात प्रमुख शहरों में मकान बिक्री 2018 के दौरान 18 प्रतिशत बढ़कर 2,48,310 इकाई पर पहुंच गयी। 2017 में 2,11,130 इकाइयों पर थी। एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, बेंगलुरु और पुणे की कुल मिलाकर इस बिक्री में 82 प्रतिशत हिस्सेदारी रही जबकि अन्य भागीदारी हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता की तरह से रही। एनारॉक ने कहा कि शीर्ष सात शहरों में 2017 के मुकाबले मकान बिक्री 18 प्रतिशत और नये मकानों की आर्पूति 33 प्रतिशत बढ़ी। बिना बिके मकानों की संख्या 7,26,218 इकाइयों से सात प्रतिशत गिरकर 6,73,208 इकाई रह गई।

भारत समेत अधिकतर देशों ने अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले : ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी) ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनकी व्यापार और शुल्क नीति ने कई देशों में काम करना शुरू कर दिया है। भारत समेत कई ऐसे देशों ने अमेरिका के कुक्कुट पालन और कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले हैं जो पहले इसकी अनुमति नहीं देते थे। सोमवार को अमेरिकी कृषि ब्यूरो महासंघ के 100वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ''भारत और मोरक्को ने अपने बाजारों को हमारे कुक्कुट निर्यात के लिए खोला है। हमने उनके लिए बहुत कुछ किया है, यह (बाजार खोलना) अविश्वसनीय है। जापान

ने इदाहो से अमेरिकी आलू के निर्यात और टेक्सास से भेड़ मांस के निर्यात के लिए अपना बाजार खोला है।'' उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार के दौरान अब अमेरिका सारे व्यापारिक समझौते अमेरिका के हितों को सामने रखते हुए कर रहा है। अमेरिका अपने किसानों, पशुपालकों और वास्तव में अमेरिका के हितों को सबसे आगे रखेगा।

ट्रंप ने कहा कि पिछले 25 सालों में यह पहली दफा है जब अर्जेंटीना ने अमेरिका से सुअर मांस के निर्यात के लिए अपने बाजार को खोला है।

मेडिकल जांच के लिए वित्त मंत्री अरुण जेटली अमेरिका रवाना

बिजनेस डेस्क। वित्त मंत्री अरुण जेटली गुर्दा संबंधी अपनी बीमारी की जांच के लिए अचानक अमेरिका गए हैं। सूत्रों ने जानकारी दी कि वह रविवार की रात को ही अमेरिका रवाना हो गए थे। उल्लेखनीय है कि 14 मई 2018 को जेटली का गुर्दा प्रतिरोपण हुआ था। पिछले नौ महीनों से उन्होंने कोई विदेश यात्रा नहीं की है। उन्हें पिछले साल अप्रैल में एम्स में भर्ती कराया गया था जहां वह डायलसिस पर थे और बाद में उनका गुर्दा प्रतिरोपण हुआ था। जेटली की अनुपस्थिति में वित्त मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी रेलमंत्री पीयूष गोयल को सौंपी गई थी। जेटली 23 अगस्त 2018 को वापस वित्त मंत्रालय संभालने पहुंचे थे। उन्हें पिछले साल अप्रैल में 10वें भारत-ब्रिटेन आर्थिक एवं वित्त संवाद के लिए लंदन जाना था, लेकिन अपनी गुर्दे की बीमारी के चलते उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। जेटली को एक फरवरी को अपना छठा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार का आखिरी बजट पेश करना है। यद्यपि इस बार का बजट अंतरिम बजट होगा लेकिन उम्मीद की जा रही है कि उनका बजट भाषण आम बजट के जैसा ही होगा।

विश्वबैंक अध्यक्ष के लिए नामों की खोजों में अमेरिकी सरकार को इवांका करेंगी मदद

वॉशिंगटन (एजेंसी) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी बेटी इवांका विश्वबैंक का नया अध्यक्ष चुनने में अमेरिका की मदद करेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइटहाउस ने एक बयान में स्पष्ट किया है कि इवांका खुद इस पद की उम्मीदवार नहीं होंगी। ट्रंप सरकार में इवांका वरिष्ठ सलाहकार हैं। विश्वबैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम ने अपने दूसरे कार्यकाल में करीब तीन साल पहले ही इस्तीफा दे दिया है। इस महीने के अंत तक इस पर रहेंगे। उनकी घोषणा के बाद से नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर चल रहा है। 'द फाइनेंशियल टाइम्स' ने रविवार को कहा था कि जिम योंग किम का स्थान लेने वाले संभावित अमेरिकी उम्मीदवारों में 37 वर्षीय इवांका और संयुक्तराष्ट्र में वाशिंगटन की पूर्व राजदूत निक्की हेली का नाम भी चल रहा है। हालांकि व्हाइटहाउस की संचार उप निदेशक जेसिका डिट्टो ने इन खबरों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा, ''वित्त मंत्री स्टीवन म्नुचिन और व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मिक मुलवाने ने इवांका ट्रम्प से अनुरोध किया है कि वह विश्वबैंक के नए अध्यक्ष के चयन के काम में प्रशासन की मदद करें क्योंकि उन्होंने पिछले दो वर्षों में विश्वबैंक के नेतृत्व के साथ निकटता से काम किया है। डिट्टो ने कहा कि इस पद के लिए ''इवांका के नाम पर विचार किए जाने संबंधी खबरें गलत हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति इस पद पर सीधे किसी को नहीं बिठा सकता क्योंकि उसकी नियुक्ति पर विश्वबैंक के संचालन मंडल की सहमति जरूरी है लेकिन पारंपरिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ही इस पद के लिए अपनी ओर से किसी के नाम को आगे बढ़ते हैं। ट्रंप पहले ही इवांका को व्हाइटहाउस की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किए जाने को लेकर आलोचना झेल रहे है। पारंपरिक तौर पर विश्वबैंक का अध्यक्ष कोई अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का प्रमुख कोई यूरोपीय होता है। वर्ष 2012 में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दक्षिण कोरिया के चिकित्सा विशेषज्ञ डा योंग किम को इस पद पर नियुक्त कराया था।

किसानों को मिलेगा 3 लाख रुपए तक का बिना ब्याज लोन, सरकार जल्द कर सकती है ऐलान

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

मोदी सरकार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अंतरिम बजट या इससे पहले ही किसानों और एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए बड़े पैकेज का ऐलान कर सकती है। इसमें बिना संपत्ति गिरवी रखे ब्याज मुक्त कर्ज देने और किसानों की आय में बढ़ोतरी की योजनाएं शुरू की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि कृषि मंत्रालय इस बारे में नीति आयोग के साथ बातचीत करके एक ऐसी योजना बनाने वाले है जिसमें छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने और वित्तीय राहत प्रदान करने के उपाय शामिल होंगे। इसमें 3 लाख रुपए तक का ब्याज रहित कर्ज भी शामिल है। सरकार फिलहाल उन किसानों को ब्यज रहित कर्ज मुहैया करवाती है जिन्होंने समय पर अपना कर्ज वापस कर दिया हो। बैंक ब्याज रहित कर्ज देने से हिकचते रहते हैं लेकिन माना जा रहा है कि वह सरकार का साथ देंगे यदि वह ब्याज की राशि का भुगतान करे। इस साल पेश होने वाले अंतरिम बजट में इस प्रस्ताव की घोषणा हो सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। सरकार का दूसरा प्रस्ताव किसानों को बिना गारंटी के कर्ज उपलब्ध करवाने का है। इस कर्ज की राशि 2-3 लाख रुपए होगी। हालांकि बैंक तब तक बिना गारंटी के कर्ज देने को लेकर सहज नहीं है जब तक कि सरकार क्रेडिट गारंटी तंत्र को लागू नहीं करती है। बैंकर्स और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया राज्यों द्वारा किए जाने वाली कर्जमाफी के खिलाफ हैं। आरबीआई के गवर्नर शशिकांत दास ने कहा था कि कर्जमाफी से क्रेडिट कल्चर और कर्जदाताओं के व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रालय पहले ही सभी मंत्रालयों और विभागों से नई योजनाओं को लेकर उनकी फिंडिग जरूरतों के बारे में पूछ चुका है। ताकि वह फरवरी में पेश होने वाले बजट में उसे शामिल कर सके। नई योजनाओं के लिए धन आवंटन से छोटे किसानों के लिए आय सहायता उपायों को शामिल करने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हालांकि सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि क्या सभी किसानों के ब्याज को माफ किया जाए या फिर केवल उनका जो समय पर कर्ज चुका देते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक योजना प्रस्तावित की है। सीबीआई की शोध रिपोर्ट के अनुसार, किसानों की कर्जमाफी इस परेशानी का हल नहीं है।

हमें किसानों की आय को बढ़ाना होगा। इसीलिए पूरे भारत में आय बढ़ाने वाली योजना को लागू करने की सख्त जरूरत है। देश में 21.6 करोड़ छोटे और मंझले किसान हैं।

जिनमें से ज्यादातर कर्ज वापस करने या कर्ज के लिए गारंटी देने की स्थिति में नहीं हैं।

बजट 2019 में घर खरीदारों के मिल सकती है बड़ी राहत

नई दिल्ली। अगर आप नए साल में घर खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आपको फायदा हो सकता है। आगामी अंतरिम बजट 2019 में सरकार घर खरीदारों को बड़ी राहत दे सकती है। सरकार लो इनकम ग्रुप यानी कम कमाने वाले लोगों के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम में बदलाव कर सकती है। सरकार लो इनकम ग्रुप यानी स्ढ्डत्र कैटेगरी से जुड़े लोगों के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग के मौजूदा नियमों में बदलाव कर सकती है। मसलन, कारपेट एरिया 60 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 80 वर्ग मीटर कर सकती है। लोन इंटरेस्ट सब्सिडी की कैटेगरी 6 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए कर सकती है। इससे आपको दो फायदे होंगे। पहला, अब आप 80 वर्ग मीटर के घर को भी लोन इंटरेस्ट सब्सिडी के लिए क्लेम कर पाएंगे। दूसरा, पहले आपको सिर्फ 6 लाख रुपए तक के लोन पर ही सब्सिडी मिलती थी लेकिन अब आपको ये फायदा 8 लाख रुपए तक के लोन पर भी मिलेगा। देश में पिछले कुछ दिनों से अफोर्डेबल हाउसिंग की डिमांड तेजी से उभरी है। खासकर बड़े शहरों, दिल्ली, मुंबई, नोएडा, गुड़गांव, फरीदाबाद, लखनऊ जैसे शहरों में अफोर्डेबल हाउसिंग के प्रोजेक्ट लॉन्च हो रहे हैं। ऐसे में अगर इस बजट में लो इनकम ग्रुप के लोगों को घर खरीदने के लिए अतिरिक्त सब्सिडी मिलती है तो इसका फायदा रियल स्टेट सेक्टर और जनता दोनों को होगा।

ट्रेडर्स को भी मिलेगी सोशल सिक्योरिटी की सौगात, बीमा और पैंशन दे सकती है सरकार

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) छूट के बाद अब केन्द्र सरकार कारोबारियों को लुभाने के लिए सौगातों की एक और झड़ी लगाने की तैयारी में है। इसके तहत व्यापारियों की टर्नओवर और चुकाए जाने वाले टैक्स की रकम के आधार पर उन्हें बीमा, पैंशन व ब्याज दरों में छूट की पेशकश की जा सकती है। हालांकि इसका रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी भी व्यापार संगठनों को ही देने की योजना है। इसके लिए जल्द ही एक ट्रेडर्स वैल्फेयर बोर्ड का गठन होगा। सोशल सिक्योरिटी स्कीमों के लिए सरकार ने कन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल और कई अन्य संगठनों के साथ बातचीत की प्रक्रिया शुरू कर दी है और वैल्फेयर बोर्ड के गठन के लिए प्रतिनिधियों का चयन भी शुरू कर दिया गया है।व्यापार संगठन मांग करते रहे हैं कि वे ग्राहक से टैक्स कलैक्ट कर राजस्व में जमा कराते हैं और एक तरह से सरकारी मशीनरी का हिस्सा हैं। ऐसे में उन्हें भी अन्य कर्मचारियों की तरह बीमा और रिटायरमैंट स्कीमों की सुविधा मिलनी चाहिए। सरकार से बातचीत में शामिल एक ट्रेड लीडर ने बताया कि इसी महीने स्कीमों की रूपरेखा सामने आ सकती है। इसमें टर्नओवर और टैक्स के आधार पर बीमा कवरेज, प्रीमियम और पैंशन की रकम तय करने की योजना है। हालांकि शुरूआती प्रस्तावों पर व्यापारी एकमत नहीं हैं और चाहते हैं कि स्कीमों से अनरजिस्टर्ड व्यापारियों को पूरी तरह वंचित न रखा जाए। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रैजीडैंट श्याम बिहारी मिश्रा और जनरल सैक्रेटरी विजय प्रकाश ने बताया कि वे सरकार से लंबे समय से पैंशन स्कीम की मांग करते रहे हैं और बहुत खुशी है कि इसे गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को सोशल सिक्योरिटी मिलने से उनका सिस्टम में भरोसा बढ़ेगा। कैट ने हाल ही में प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में किसानों की कर्जमाफी पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि यह माफी ट्रेडर्स के टैक्स से दी जा रही है, जबकि उन्हें किसी तरह का लाभ नहीं मिलता। व्यापार संगठनों की ओर से सरकार से मांग की गई है।

संक्षिप्त समाचार

फिर मची जियो की धूम, डाउनलोड स्पीड के मामले में लगातार 12 वें महीने अव्वल

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो 4 जी डाउनलोड स्पीड के मामले में अन्य कंपनियों के मुकाबले लगातार 12 वें महीने अव्वल रही भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नवीनतम आंकडों के अनुसार दिसम्बर.18 में रिलायंस जियो की 4 जी डाउनलोड स्पीड करीब आठ प्रतिशत घटने के बावजूद 18.7 मेगाबाईट प्रति सेंकड(एमबीपीएस) रही जो अन्य दूरसंचार कंपनियों के मुकाबले काफी अधिक है । जियो नेटवर्क की औसतन डाउनलोड स्पीड नवंबर माह में 20.3 एमबीपीएस थी। भारती एयरटेल का 4 जी नेटवर्क दिसंबर में मामूली सुधरा। यह नवंबर के 9.7 एमबीपीएस की तुलना में दिसम्बर में 9.8 एमबीपीएस था। वोडाफोन की 4 जी डाउनलोड स्पीड 6.8 एमबीपीएस से घटकर 6.3 एमबीपीएस रह गया। आईडिया का 6.2 एमबीपीएस से गिरकर छह एमबीपीएस रह गया । आईडिया और वोडाफोन के दूरसंचार कारोबार का विलय हो गया है और अब यह वोडाफोन आईडियाके तहत काम कर रही है किंतु ट्राई ने दिसंबर के लिए दोनों के प्रदर्शन को अलग.अलग दर्शाया है। डाउनलोड स्पीड वीडियो. ई मेल और इंटरनेट के इस्तेमाल के दौरान महत्वपूर्ण रहती है । अपलोड स्पीड के मामले में वोडाफोन के प्रदर्शन में लगातार सुधार रहा । यह नवंबर के 4.9 एमबीपीएस से बढकर 5.1 एमबीपीएस हो। जियो की अपलोड स्पीड इस दौरान 4.5 एमबीपीएस की तुलना में मामूली गिरकर 4.3 रही ।

सोना 25 रुपए महंगा, चांदी 100 रुपए चमकी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में दोनों कीमती धातुओं में रही गिरावट के बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा की गिरावट के कारण मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 25 रुपये चमककर 33,125 रुपये प्रति दस ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान औद्योगिक ग्राहकी आने से चांदी भी 100 रुपए की बढ़त के साथ 40,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। विश्लेषकों के मुताबिक, दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के टूटने से विदेशी बाजारों में सोने की चमक बढ़ी लेकिन इस पर मुनाफावसूली अधिक हावी हो गयी जिससे दबाव बढ़ गया हालांकि, डॉलर की तुलना में रुपये के 71 रुपये प्रति डॉलर के नीचे लुढ़कने से स्थानीय बाजार में इसके भाव बढ़े रहे। अतर्राष्ट्रीय बाजार में लंदन का सोना हाजिर 2.20 डॉलर की गिरावट में 1,289.05 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अमेरिकी सोना वायदा भी 3.00 डॉलर की गिरावट के साथ 1,288.05 डॉलर प्रति औंस बोला गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 15.58 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

'अगले 7-8 साल में भारत खरीदेगा 1,000 विमान'

मुंबई। देश का विमानन क्षेत्र लगातार तेजी से बढ़ रहा है और अगले सात-आठ साल में करीब 1,000 और विमान खरीदे जाएंगे। नागर विमानन सचिव आर. एन. चौबे ने मंगलवार को कहा कि देश में 100 और हवाईअड्डे शुरू होंगे और अगले 15 साल में हवाई यात्राओं की संख्या एक अरब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अगले सात-आठ साल में करीब 1,000 और विमानों की खरीद करेंगे।'' उन्होंने कहा कि देश का विमानन बाजार दुनिया के बाजार के लिए इंजन बना हुआ है और विदेशी विमानन कंपनियों की वृद्धि के लिए यहां बेहतर अवसर मौजूद हैं। चौबे ने कहा कि पिछले चार साल से देश का घरेलू विमानन क्षेत्र सालाना 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। यह दुनिया में सबसे अधिक वृद्धि दर है और यह लगातार बनी हुई है। वह यहां उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित वैश्विक विमानन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का तीसरी तिमाही में मुनाफा 34 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का 31 दिसंबर, 2018 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकीकृत लाभ 34.3 प्रतिशत गिरकर 101.1 करोड़ रुपये पर आ गया। बाजार में उतार-चढ़ाव, एनबीएफसी का नकदी संकट और नियामकीय बदलावों से कारोबार पर असर पड़ा। वित्त वर्ष 2017-18 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 153.9 करोड़ रुपये था। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आय गिरकर 404.7 करोड़ रुपये रह गयी। इसकी तुलना में 2017-18 की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 493.8 करोड़ रुपये था। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव, एनबीएफसी का नकदी संकट और नियामकीय बदलावों जैसे कुछ अल्प अवधि के झटकों का कारोबारी धारणा और प्रदर्शन पर असर पड़ा।

क्रांति समय

उत्तरायण के दिन डोरी से गला कटने समेत तीन लोग घायल

सूरत। शहर के अलग-अलग विस्तार में पतंग के डोरी से दो युवकों का गला कट गया, जबकि एक बच्चा पतंग उड़ाते समय छत से नीचे गिरा। तीनों को उपचार हेतु नई सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया।

सूत्रों के अनुसार उना पाटिया में रहनेवाले शेहेनमाज खान इजहार खान गत रोज बाइक लेकर गभेणी चौकड़ी के पास से गुजर रहा था। वहीं पतंग की डोरी से गला कट गया। जिससे उसे उपचार हेतु अस्पताल में ले जाया गय है। जबकि दूसरी घटना में पुणागाम रविपार्क सोसायटी में रहनेवाले जयेश आहीर अपने दोस्त के साथ बाइक पर वराछा की तरफ जा रहा था। तभी डी.आर. वर्ल्ड के पास से पतंग की डोरी से जयेश का गला कट गया। जयेश को उपचार हेतु अस्पताल में ले जाया गया है। जबकि अन्य एक घटना में पांडेसरा भीड़भंजन में रहनेवाला भरत क युद्दीन (उ.11) छत पर पतंग उड़ाने के लिए गया तब पतंग उड़ाते समय छत पर से नीचे गिरने पर चोट पहुंचने से उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती किया गया।

कतारगाम में पतंग काटने को लेकर चाचा-भतीजे पर हमला

सूरत। कतारगाम गायत्रीनगर में पतंग काटने को लेकर चाचा-भतीजे पर तीन लोगों ने डंडे और पाइप से हमला कर घायल कर दिया।

कतारगाम पुलिस सूत्रों के अनुसार कतारगाम गायत्रीनगर सोसायटी सिद्धेश्वर कॉ पलेक्स निवासी राजेश जगदीश चाड गत रोज उत्तरायण का पतंग उड़ाने के लिए घर के नीचे खड़े थे। उसी समय भावेश, विजय समेत तीन लोग उनके पास आए और पतंग और डोरी काटने के विषय पर झगड़ा किया। उस समय राजेश के चाचा आने पर उन्हें सिर में और पीठ में डंडे और पाइप से हमला किया। वहीं राजेश को भी मारा। पुलिस ने राजेश चाड की शिकायत लेकर आरोपी भावेश मगन काकलोतर (निवा. यमुना पार्क सोसायटी, डभोली), विजय मगन काकलोतर (निवा. यमुनापार्कसोसायटी, डभोली) और दीपक रवजी काकलोतर (निवा. गायत्रीनगर सोसायटी, डभोली) को गिरफ्तार किया।

सूरत। करुणा सेंटर में पतंग के माझे से घायल पक्षीयों को उपचार के लिए लाया गया। जहां पर मंत्री गणपतसिंह वसावा ने चौक बाजार में आकर घायल पक्षियों के उपचार में लगे डाक्टरों की टीम को सराहा।

पाटीदारों ने पीएम मोदी और सीएम रूपाणी के पतंग उड़ाकर आभार जताया

सूरत। सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के केन्द्र सरकार के फैसले और 14 जनवरी से गुजरात में लागू करने का पाटीदारों ने अनोखे ढंग से स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मु यमंत्री विजय रूपाणी की तस्वीर वाले पतंग उडाकर पाटीदारों ने दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया। मकर संक्रांति के पर्व पर शहर समेत राज्यभर का आसमान रंग बिरंगे पतंगों से पटा रहा। आसमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और गुजरात के मु यमंत्री विजय रूपाणी समेत अलग अलग किस्म के पतंग दिखाए दिए। पीएम मोदी और सीएम रूपाणी की तस्वीर वाले पतंग लोगों का आकर्षण का केन्द्र बने। शहर में बड़ी सं या में पाटीदार रहते हैं जो आरक्षण आंदोलन को लेकर भाजपा से नाराज चल रहे थे। लेकिन सवर्णों को 10 फीसदी का कानून बनाने और मकर संक्रांति उसे गुजरात लागू करने पर पीएम मोदी और सीएम रूपाणी के चित्रों वाले पतंग उडाकर दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कमल के चित्रों वाले गुब्बारे उड़ाकर मकर संक्रांति पर्व मनाया। सवर्णों के हित में देशभर में सबसे पहले 10 प्रतिशत आरक्षण गुजरात में लागूकर मकर संक्रांति का तोहफा दिया है।

हजीरा में 3 वर्ष की बालीका पर गैंगरेप करने वालों का हुआ मेडिकल परिक्षण

सूरत। विदित हो कि तीन दिन पहले गुरुवार की शाम 3 वर्षकी बालीका का रेप हुआ था। इस घटना के आरोपियों को पकड़ने के लिए हजिरा पुलिस, पी.सी.बी, डी.सी.बी और एसओजी की टीमों को लगाया गया था। गुरुवार की रात को बालीका के पड़ोस में रहने वाले युवक सहित तीन पकड़ कर पुछ ताछ शुरु की थी। जिसमें पुलिस को किसी प्रकार का सुराग नहीं मिला था। लेकिन जिस प्रकार से बालिका के साथ दुष्कर्म करा गया था उससे पुलिस को आरोपियों के नाबालिग होने की शंका थी। सादे कपड़ों में पुलिस टीम जब जांच के लिए खुल्ले ग्राउंड में पहुंची तो वहां लड़के क्रिकेट खेल रहे थे। जिस कारण पुलिस को कई तरह की जानकारी मिली। जिसके आधार पर 14 वर्ष सूरज, 12 वर्ष सचीन और अन्य एक सूरज सहित चार से पुछ ताछ करी। जिस के आधार पर गुनेहगारों का पुलिस को पता चल और पुलिस ने मेडिकल परिक्षण करवाने की बात सामने आ रही है।

स्टेट मोनिटरिंग सेल की टीम पर बुटलेगरों किया हमला, दो पुलिसकर्मी घायल

सूरत। शहर के वराछा ए.के. रोड उत्कलनगर रेलवे ट्रैक निकट हनुमान मंदिर के पास पतरा के शेड और उसके आसपास के विस्तार चल रहे शराब के अड्डे पर गत रोज छापेमारी करने गए स्टेट मोनिटरिंग सेल की टीम पर बुटलेगरों द्वारा हमला किया गया था। स्टेट मोनिटरिंग सेल ने अड्डे पर से नगद 21 हजार, 3.60 लाख का अंग्रेजी शराब और मोबाइल समेत 3.82 लाख का सामन कब्जे किया।

वराछा पुलिस सूत्रों के अनुसार स्टेट मोनिटरिंग सेल की टीम के लोगों द्वारा गत रोज ए.के.रोड उत्कल नगर के सामने रेलवे ट्रैक के समीप हनुमान मंदिर के पास पतरे के शेड में और आसपास में खुलेआम चल रहे अंग्रेजी शराब के अड्डे पर छापेमारी की गई थी। इस दौरान बुटलेगर निरंजन उर्फ नीरू गांधी प्रधान (निवा. उत्कलनगर झोपड़पट्टी, कतारगाम) और हितेश उर्फ हितेन्द्र महेन्द्र पटेल (निवा. अमरोली) शंकर डाकुआस राउत, नारायण उर्फ सेन्डो समेत अन्य लोगों के साथ स्टेट मोनिटरिंग सेल की टीम पर पथराव किया गया। जिसमें दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। जबकि कार के कांच तोड़ दिए। स्टेट मोनिटरिंग सेल की टीम ने शराब के अड्डे पर से नगद 21670 रुपए अलग-अलग ब्राण्ड की

अंग्रेजी शराब की बोतल 3123 नग जिसकी कीमत 3,60,750 रुपए तथा मोबाइल समेत 3,82,920 रुपए का सामान बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

अमरोली में विवाहिता से दुष्कर्म

सूरत। अमरोली इलाके में विवाहिता से गोदाम में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। अमरोली पुलिस सूत्रों के अनुसार कोसाड आवास निवासी हनिफ पटेल अपने घर के समीप रहनेवाली विवाहिता के प्रेम में पड़ा था और गत 2 जनवरी को विवाहिता को कहा कि मैं तु हें प्यार करता हूं और यदि तू हां नहीं करेगी तो तेरे पति का धंधा बंद कराने की धमकी दी। साथ ही अपने कोसाड आवास में स्थित साड़ी भरने के गोदाम में विवाहिता को खिंच ले गया था और उसका मुंह दबाकर जबरदस्ती करने लगा तो विवाहिता ने इसका विरोध किया तो उसे लातों-मुक्कों से मारपीट कर दुष्कर्म किया। उसके बाद घटना के संबंध में किसी को बताई तो जान से मार देने की धमकी दी। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है।

युवक ने गटका जहर

सूरत। नानपुरा के युवक ने सूदखोरों से परेशान होकर जहर गटक लिया। जिसकी मंगलवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई है।

नानपुरा निवासी रजनीकांत रतिलाल टोपीवाला (उ.35) ऑटो चलाकर परिवार की आजीविका चलाते हैं। रजनीकांत ने नानपुरा में रहनेवाले हिमेन वसंत कहार के पास से 5 प्रतिशत के व्याज से 70 हजार रुपए लिया था। इस दौरान व्याजखोर हिमेन ने दो महीने के बाद 5 प्रतिशत के बजाय 10 प्रतिशत व्याज की रकम की वसूली शुरू की थी। गुरूवार को हिमेन घर पर पैसे की वसूली करने के लिए आया था और मारने की धमकी दी थी। जिससे रजनीकांत घबरा गया और गुरूवार को जहरीली दवा पी लिया। चार दिन की उपचार के बाद मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई। रजनीकांत के परिवार ने पुलिस सूदखोर को पकड़कर नहीं लाती तब तकअस्पताल से उसका शव लेने से इंकार किया।

डिंडोली में युवक पर तलवार से हमला

सूरत। शहर के डिंडोली इलाके स्थित नवागाम चिंता चौक में पुराने झगड़े की रंजिश में युवक पर चाकू और तलवार से हमला किया गया। डिंडोली पुलिस सूत्रों के अनुसार नवागाम नरोत्तमनगर निवासी दयावान अशोक पाटिल का राज के साथ झगड़ा हुआ था। जिसकी रंजिश में विक्की ने अपने दोस्त राहुल के साथ अन्य लोगों के साथ बदला लेने के लिए दयावान उर्फ बन्टी को शनिवार दोपहर को फोन कर समाधान करने के बहाने मिलने के लिए नवागाम चिंताचौक के सामने शिवाजी महाराज के स्टेच्यु के पास बुलाया था। वहां दयावान के पहुंचने के साथ विक्की ने अपने लोगों के साथ तलवार और चाकू से सिर, हाथ तथा पीठ समेत अन्य भाग में वार कर फरार हो गए।

सूरत से शारजाह के बीच सीधी फ्लाइट, 30 को पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

सूरत। आगामी 30 जनवरी से दक्षिण गुजरात की डायमंड सिटी सूरत से संयुक्त अरब अमीरात के बीच सीधी हवाई सेवा का प्रारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 जनवरी को सूरत से शारजाह के बीच सीधी लाइट को हरी झंडी दिखाएंगे, जिसके साथ ही सूरत एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा मिल जाएगा। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 जनवरी को सूरत आ रहे हैं और सूरत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उदघाटन करेंगे और सूरत-शारजाह इंटरनेशनल लाइट का प्रस्थान करवाएंगे। वर्षों से सूरतवासी जिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट की प्रतीक्षा कर रहे थे, वह आगामी 30 जनवरी को पूर्ण हो जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस सूरत से शारजाह के बीच सीधी हवाई शुरू करने जा रही है। सूरत को इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल लाइट के साथ ही प्रादेशिक उड़ानों में बढ़ोत्तरी को लेकर नवसारी के सांसद सीआर पाटील लगातार प्रयार कर रहे थे। बीते दिन सीआर पाटील ने ट्वीट कर बताया कि आगामी 30 जनवरी से सूरत से शारजाह के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। सूरत-शारजाह के बाद चरणबद्ध तरीके से सूरत-बेंगकोक और सूरत-दुबई के बीच हवाई सेवा शुरू की जाएगी। सीआर पाटील के मुताबिक आगामी एक सप्ताह में सूरत एयरपोर्ट पर कस्टम क्लीयरन्स सुविधा का नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा। जिसके लिए कस्टम अधिकारी और अन्य स्टाफ की जरूरी व्यवस्था कर दी गई है। इसके अलावा सभी प्रकार के स्केनर्स से लेकर अधिकारियों के चैबर्स, स्ट्रोंग रूम, इन्ट्रोगेशन रूम जैसी व्यवस्था भी की जा चुकी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)